हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 4)(सोहनलाल द्विवेदी– ओस)
(कक्षा 8)

अभ्यास

1. कविता से

क:

कविता में रतन किसे कहा गया है और वे कहाँ–कहाँ बिखरे हुए हैं ?

क:

कविता में रतन ओस की बूँदों को कहा गया है , जो कि घास फूलों और पत्तों पर बिखरी हुई है ।

ख:

ओस कणों को देखकर कवि का मन क्या करना चाहता है?

ख:

कवि का मन करता है कि वह इन ओस की बूँदों को अंजलि में भरकर अपने घर ले आए और उन्हें निहारते हुए उन पर कविता लिखे ।

10. रूप बदलकर

चमक – चमकना – चमकाना – चमकवाना

'चमक' शब्द के कुछ रूप ऊपर लिखे हैं। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों का रूप बदलकर सही जगह पर भरो–

दमक, सरक, बिखर, बन

प्रश्न क:

जरा सा रगड़ते ही हीरे ने ..... शुरू कर दिया।

उत्तर क:

दमकना

प्रश्न ख:

तुम यह कमीज किस दर्जी से ..... चाहते हो?

उत्तर ख:

बनवाना

प्रश्न ग:

साँप ने धीरे–धीरे ..... शुरू कर दिया।

उत्तर ग:

सरकना

प्रश्न घः

लकी को मूर्ख ..... तो बहुत आसान है।

उत्तर घः

बनाना

प्रश्न डः

तुमने अब खिलौने ..... बंद कर दिए?

उत्तर ड

बनाने